जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र0/जीविवि/परीक्षा–2/गोपनीय/2014/1552 दिनांक. 19.09.2014

प्रति,

प्राचार्य/वरिष्ठ केन्द्राध्यक्ष,
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर परिक्षेत्र
ग्वालियर (म0प्र0)

अति–आवश्यक

विषयः–विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के संचालन एवं परीक्षा उत्तरपुस्तिकाओं के बण्डल विश्वविद्यालय को प्रेषित करने बावत् विशेष निर्देश।

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आप अपने महाविद्यालय परीक्षा केन्द्र पर विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के संचालन एवं परीक्षा संपादित कराने के पश्चात् उत्तरपुस्तिकाओं के बण्डल विश्वविद्यालय को प्रेषित करते समय निम्न निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करायें।

1. **विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं में उत्तरपुस्तिकाओं के मुख पृष्ठ पर परीक्षा केन्द्र के कॉलेज कोड की गोल सील का ही अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। यह ध्यान रखें कि सील पर कॉलेज का नाम अंकित न हो। और सील लगाने के लिए लाल स्टांप पेड का ही प्रयोग करें।**
2. आपके परीक्षा केन्द्र पर सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों के वर्गो के अनुसार नियमित/ नियमित ए0टी0के0टी0) एवं (असंस्थागत/ असंस्थागत ए0टी0के0टी0) के परीक्षार्थियों के प्रथक–प्रथक उत्तरपुस्तिकाओं के बण्डल तैयार कर विश्वविद्यालय को प्रेषित किये जायें।
3. उत्तरपुस्तिकाओं के बण्डलों को तैयार करते समय यह ध्यान रखें, कि परीक्षार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं को अनुक्रमांकों के बढ़ते हुये क्रम में व्यवस्थित कर तैयार किया जाये।
4. **परीक्षा उत्तरपुस्तिकाओं के बण्डलों पर सुस्पष्ट रूप से परीक्षा का नाम, विषय कोड, परीक्षा का दिन, परीक्षा का समय, एवं उत्तरपुस्तिकाओं की संख्या अंकित होनी चाहिये। साथ ही परीक्षा केन्द्राध्यक्ष का नाम एवं परीक्षा केन्द्र का नाम स्पष्ट रूप से अंकित किया गया हो।**
5. आप यह सुनिश्चित करें, कि आपके परीक्षा केन्द्र पर सम्पादित होने वाली विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं में सभी परीक्षार्थियों के द्वारा मुख्य उत्तरपुस्तिकाओं के फ्लेप अनिवार्य रूप से चिपकायें गये हों।
6. आप यह भी सुनिश्चित कराये कि कभी–कभी उत्तरपुस्तिकाओं के पैकिंग हेतु पूर्व में तैयार की गई थैलियों में उत्तरपुस्तिकायें रखते समय एक विषय की उत्तरपुस्तिका दूसरे विषय की उत्तरपुस्तिकाओं के लिए बनायी गई थैली में रख कर पैक कर दी जाती है। जिससे सम्बंधित विषय की उत्तरपुस्तिकायें प्राप्त नहीं हो पाती। और विश्वविद्यालय को उत्तरपुस्तिकाओं को खोजने में अत्याधिक कठिनाई उठानी पड़ती है। आप इस बात का आवश्यक रूप से ध्यान रखें कि सही विषय की उत्तरपुस्तिकाओं की थैली में सम्बंधित विषय की ही उत्तरपुस्तिकायें पैक की गई हों।
7. यदि आपके परीक्षा केन्द्र पर कोई प्रकरण **''अनुचित साधन प्रकरण''** बनाया गया है, तो उत्तरपुस्तिकाओं के डॉकेट में अनुचित साधन प्रकरण का अनुक्रमांक स्पष्ट रूप से दर्शाया गया हो। तथा कुल उत्तरपुस्तिकाओं की संख्या में से अनुचित साधन प्रकरण की उत्तरपुस्तिकाओं की संख्या कम करके स्पष्ट रूप से अंकित की जावे। तथा अनुचित साधन प्रकरण की उत्तरपुस्तिकाओं के पैकट प्रथक से पैक कर विश्वविद्यालय को प्रेषित करें।
8. आप यह भी सुनिश्चित करायें कि परीक्षा समाप्ति के पश्चात् सम्बंधित परीक्षा के केन्द्र प्रपत्र अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर विश्वविद्यालय में जमा करा दिये गये हों।

आशा है कि परीक्षा अत्यावश्यक कार्य में आपका अमूल्य सहयोग प्राप्त होगा।

परीक्षा नियंत्रक